जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. बी.एस. द्विवेदी
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक– 86
दिनांक–23.09.2026

कृषि महाविद्यालय जबलपुर में 9 दिवसीय दीक्षारंभ 2026–27 का शुभारंभ

प्रवेश से प्रगति तक कृषि शिक्षा की नई यात्रा

जबलपुर 23 सितम्बर, 2026। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की प्रेरणा से तथा अधिष्ठाता, कृषि संकाय, डॉ. धीरेन्द्र खरे एवं अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, डॉ. अल्पना सिंह के मार्गदर्शन में कृषि कॉलेज, जबलपुर में स्नातक (ऑनर्स) कृषि प्रथम वर्ष के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए 9 दिवसीय दीक्षारंभ सह फाउंडेशन कोर्स–2026–27 का आयोजन 17 से 25 सितंबर 2026 तक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की छठवीं डीन कमेटी की अनुशंसाओं के अनुरूप किया जा रहा है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को विद्यालयी शिक्षा से विश्वविद्यालयीन शिक्षा की ओर सहज रूप से समायोजित होने में सहायता करने के साथ–साथ उन्हें विश्वविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण, शिक्षण–पद्धतियों, संस्थागत मूल्यों तथा उच्च कृषि शिक्षा में उपलब्ध अवसरों और भविष्य की संभावनाओं से परिचित कराना है। इसके साथ ही विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन, टीम भावना, प्रभावी संचार कौशल तथा कृषि के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना है। कार्यक्रम के दौरान डीन डॉ. अल्पना सिंह ने नवागत विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उन्हें अनुशासन एवं सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ कृषि शिक्षा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कृषि महाविद्यालय जबलपुर के शैक्षणिक प्रभारी डॉ. एच. के. राय ने प्रारंभिक सत्र में विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें महाविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, पाठ्यक्रम, अनुशासन एवं उपलब्ध सुविधाओं से परिचित कराया।

दरअसल दीक्षारंभ कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को कृषि शिक्षा के विभिन्न विषयों एवं विभागों से परिचित कराने के लिए प्रायोगिक एवं विभागीय भ्रमण, संवादात्मक व्याख्यान, प्रयोगशाला प्रदर्शन तथा प्रक्षेत्रीय अनुभव जैसी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। विद्यार्थियों को प्रसार शिक्षा, कृषि अर्थशास्त्र एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन, कीट विज्ञान, पादप रोग विज्ञान, सस्य विज्ञान, मृदा विज्ञान, खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, वानिकी, पादप प्रजनन एवं आनुवंशिकी, जैव प्रौद्योगिकी, कृषि अभियांत्रिकी, उद्यानिकी तथा पादप शरीर क्रिया विज्ञान जैसे विषयों की आधारभूत जानकारी प्रदान की जा रही है। इसके साथ ही विद्यार्थियों को ई–लैब, मौसम वेधशाला, समन्वित कृषि प्रणाली एवं डेयरी इकाई, जैव उर्वरक प्रयोगशाला, औषधीय उद्यान, कृषि विज्ञान केंद्र, कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केंद्र, पुस्तकालय, संचार केंद्र, छात्र कल्याण कार्यालय, खेल परिसर तथा एनसीसी एवं एनएसएस जैसी संस्थागत सुविधाओं एवं गतिविधियों से भी अवगत कराया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के लिए कैरियर अवसर, व्यक्तित्व विकास, संचार कौशल, छात्र कल्याण सेवाओं तथा कृषि क्षेत्र में उच्च शिक्षा एवं रोजगार की संभावनाओं पर विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया जा रहा है।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. अमित झा तथा प्रसार शिक्षा विभाग के डॉ. सीमा नबेरिया, डॉ. परवेज राजन, डॉ. सोनम अग्रवाल, डॉ. संजना श्रीवास्तव एवं डॉ. प्रशिश सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सभी शिक्षकों एवं सहयोगी सदस्यों के समन्वित प्रयासों से कार्यक्रम की विभिन्न गतिविधियां व्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से संचालित की जा रही हैं।